प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १६ – अंक ३६० – गुरूवार १४ मई २०२६ | पुणे | RNI NO.MAH HIN/2005/15277 | २ रूपए

siddhantsamachar.com | @SiddhantSamachar | facebook.com/siddhantsamachar | siddhantsamachar@gmail.com

2026-27 ADMISSION OPEN

For Apply Scan QR code

CAYMET'S

SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS
SUDUMBARE, PUNE

Highlights at Siddhant Group of Institutions, Pune

21+	7+	300+	150+	7900+	10,000+
YEARS IN QUALITY EDUCATION	INSTITUTES	TEACHING STAFF	RECRUITERS	PLACEMENTS	ALUMNI ACROSS THE GLOBE

SGI Proudly Emerges As An Initiative of the Prestigious CAYMET

BACHELOR OF ENGINEERING (B.E.)
DTE CODE: 6149

COMPUTER ENGINEERING.	180
INFORMATION TECHNOLOGY.	60
ARTIFICIAL INTELLIGENCE & DATA SCIENCE.	120
ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING	120
INTERNATE OF THINGS	60
ELECTRONICS & COMPUTER ENGINEERING.	120
ELECTRONICS & TELECOMMUNICATION	60
MECHANICAL ENGINEERING	60
CYBER SECURITY	60
ELECTRICAL ENGINEERING	60
CIVIL ENGINEERING	60

DIPLOMA ENGINEERING
DTE CODE: 6149

ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING	60
ELECTRICAL ENGINEERING	60
COMPUTER ENGINEERING	60
CIVIL ENGINEERING	60
MECHANICAL ENGINEERING	60
ELECTRONICS & TELECOMMUNICATION	60

MASTER OF ENGINEERING (M.E.)
DTE CODE: 6149

M.E. - COMPUTER (COMPUTER ENGINEERING)	18
M.E. - E & TC (VLSI & EMBEDDED SYSTEM)	18
M.E. - MECHANICAL (DESIGN ENGINEERING)	24
M.E. - INFORMATION TECHNOLOGY	24

M. B. A.
DTE CODE: MB-6134
(Master of Business Administration)
SPECIALIZATION
Marketing Management
Financial Management
Human Resource Management
Operations Management
Information Technology

M. C. A.
DTE CODE: 6240
(Master of Computer Application)

NURSERY to XII STD.
(XI & XII - Science & Commerce)

BACHELOR OF PHARMACY
DTE CODE: PH-6258

DIPLOMA in PHARMACY
DTE CODE: D-6515

MASTER OF PHARMACY
DTE CODE: MPH-6258
Pharmaceutics
Quality Assurance Technique

DIPLOMA in PHARMACY (WOMEN)
DTE CODE: D-6922

B.B.A
(Bachelor of Business Administration)

B.COM
(Bachelor of Commerce)

B.C. A.
(Bachelor of Business Administration in Computer Application)

ENGG.: +91 99239 06993
PHARMACY: +91 98225 34771
MBA: +91 94232 70598

MCA: +91 985000 5059
BBA | BCA | BCOM: +91 96894 93733
Nursery to 12th STD.: +91 99238 27999

- **SIDDHANT COLLEGE OF ENGINEERING** www.siddhantcoe.in
- **SIDDHANT COLLEGE OF PHARMACY** www.siddhantcop.in
- **SIDDHANT SCHOOL OF PHARMACY WOMEN** www.siddhantsopw.in
- **SIDDHANT INSTITUTE OF BUSINESS MANAGEMENT** www.siddhantibm.in
- **SIDDHANT INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES** www.siddhantmgtstudies.in
- **SIDDHANT INSTITUTE OF COMPUTER APPLICATION** www.siddhantica.in
- **SIDDHANT INTERNATIONAL SCHOOL** www.siddhantischool.com

Add. : Chakan- Talegaon Road, Sudumbare, Pune 412109 | admissionsiddhant@gmail.com | www.siddhantgroupedu.in

सिद्धांत समाचार
गुरुवार १४ मई २०२६

मुंबई कॉमिक कॉन 2026 में वीकेंड पर 55,000 से ज्यादा फैंस की मौजूदगी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ

मुंबई – मुंबई का सबसे बड़ा फैनडम और पॉप कल्चर उत्सव मुंबई कॉमिक कॉन 2026 बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 55,000 से अधिक लोगों शामिल हुए। यह कार्यक्रम 9 और 10 मई को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। मारुति सुजुकी अरेना द्वारा प्रस्तुत और क्रंचीरोल के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके अलावा महाराष्ट्र सरकार के उद्योग विभाग और ड।प्ज्त्प (महाराष्ट्र इंडस्ट्री, ट्रेड और इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेल) का भी इसमें सहयोग रहा। इस कार्यक्रम ने ऊर्जा और उत्साह से भरा एक शानदार वीकेंड प्रस्तुत किया। इसमें शहर की जबरदस्त फैनडम कल्चर का जश्न मनाया गया और यह फिर से साबित हुआ कि मुंबई भारत में पॉप कल्चर और फैनडम का एक प्रमुख केंद्र है। दोनों दिनों में फैंस बड़ी संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। देशभर से हजारों लोग दो दिन के कॉमिक्स, एनीमे, गेमिंग, कॉसप्ले, कलेक्टिबल्स और इमर्सिव अनुभवों का आनंद लेने आए थे। कुछ फैंस खास तौर पर देश के अलग–अलग हिस्सों से फ्लाइट लेकर पहुंचे, जबकि स्थानीय लोग सुपरहीरो की वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए। पूरा आयोजन स्थल उत्साह से भरा हुआ था और अलग–अलग गतिविधियों के कारण वहां त्योहार जैसा माहौल बन गया था। फैंस का जोश और सेलिब्रेशन देखकर एक बार फिर साबित हुआ कि मुंबई कभी भी अपने फैंस को निराश नहीं करती। नोडविन गेमिंग के सह–संस्थापक और मैनेजिंग डायरेक्टर अक्षत राठी ने कहा, "मुंबई की फैन संस्कृति बहुत खास है क्योंकि यहां लोग सच में साथ मिलकर अनुभव करना पसंद करते हैं। चाहे कॉन्सर्ट हो, क्रिकेट हो, त्योहार हों या लाइव इवेंट्स, लोग बहुत उत्साह से शामिल होते हैं और कॉमिक कॉन में भी यही देखने को मिला। इस वीकेंड की खास बात यह रही कि मुंबई ने कॉमिक कॉन को अपनी सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बना लिया। यहां कॉलेज के छात्र, नौकरी करने वाले, क्रिएटर्स और फैन कम्युनिटी सभी साथ में समय बिता रहे थे। वे कॉसप्ले मीटअप्स, स्टेज परफॉर्मेंस, गेमिंग जोन्स और मर्च स्टॉल्स में घूम रहे थे। मुंबई पूरे दिन लगातार इस तरह की भागीदारी बहुत अच्छे तरीके से दिखाता है।" कॉमिक कॉन इंडिया की सीईओ शेफाली जॉनसन ने कहा, "मुंबई हमारे लिए हमेशा खास रहा है, क्योंकि यह शहर कॉमिक कॉन सीजन का आखिरी शो होता है, और फिनाले के लिए इससे बेहतर शहर कोई नहीं हो सकता। यह एक बड़ा मनोरंजन केंद्र होने के कारण यहाँ के दर्शक स्वाभाविक रूप से कहानियों और फैंडम कल्चर से बहुत गहराई से जुड़ते हैं। मुझे मुंबई की सबसे अच्छी बात यह लगती है कि यहां लोग सीधे ऑफिस से आते हैं, कॉलेज के छात्र लोकल ट्रेन से कॉसप्ले करके सफर करते हैं, और फैंस अपने पसंदीदा कलाकारों को देखने या परफॉर्मेंस के लिए घंटों इंतजार करते हैं। यह शहर बहुत तेज चलता है, लोग बहुत मेहनत करते हैं, लेकिन जब मुंबई को कोई चीज पसंद आती है तो वह उसे पूरे दिल से सेलिब्रेट करती है। इसी वजह से मुंबई हमें हमेशा सीजन का एक परफेक्ट शोस्टॉपर फिनाले देती है। और हम यहां फिर से आने के लिए उत्साहित हैं!"

एमके संस फाइन ज्वेल्स लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

फाइन ज्वेलरी के डिजाइन, निर्माण और रिटेल कारोबार से जुड़ी कंपनी एम. के. संस फाइन ज्वेल्स लिमिटेड ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। वर्ष 2012 में स्थापित यह कंपनी रिटेल–केंद्रित ज्वेलरी कंपनी है, जो अपने रिटेल शोरूम नेटवर्क के माध्यम से सोने, हीरे और क्यूबिक जिरकोनिया (सीजेड) ज्वेलरी की विस्तृत श्रृंखला के विपणन और बिक्री में संलग्न है। कंपनी समकालीन और ब्राइडल डिजाइनों का विविध पोर्टफोलियो पेश करती है, जिसमें उत्कृष्ट कारीगरी, डिजाइन गुणवत्ता और ग्राहकों की पसंद के अनुरूप ज्वेलरी कलेक्शन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वर्तमान में कंपनी मुंबई और अहमदाबाद में स्थित पांच शोरूम संचालित कर रही है। डीआरएचपी के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 1,36,00,000 इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर रामचंद मुरलीधर रायमलानी द्वारा 34,00,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2023 में 24.91 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 351.28 करोड़ रुपये हो गया है, जो 275.51 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्शाता है। कंपनी फ्रेश इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग महाराष्ट्र में एक नया शोरूम स्थापित करने, गुजरात में मौजूदा शोरूम के विस्तार, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्जों के पुनर्भुगतान औरध् या पूर्व भुगतान तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। इस इश्यू के लिए आर्यमान फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस ऑफर का सहायक नियुक्त किया गया है।

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने व्यावसायिक मात्रा में मेफेड्रोन (एमडी) मामले में सुरताराम कृशाराम बिश्नोई को जमानत दी

एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक महत्वपूर्ण फैसले में, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने व्यावसायिक मात्रा में मेफेड्रोन (एमडी) मामले में आरोपी राजस्थान निवासी सुरताराम कृशाराम बिश्नोई को जमानत दे दी। न्यायालय ने पाया कि छापेमारी दल में राजपत्रित अधिकारी की उपस्थिति एनडीपीएस अधिनियम की धारा 50 के अनुपालन के संबंध में गंभीर चिंताएं पैदा करती है। यह मामला सीमा शुल्क, पुणे द्वारा एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21(सी), 22(सी), 29 और धारा 8(सी) के तहत दंडनीय अपराधों के लिए दर्ज अपराध संख्या 1/2025 से संबंधित है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी को 22 फरवरी 2025 को पुणे के खादी मशीन चौक पर गिरफ्तार किया गया था, जहां व्यक्तिगत तलाशी के दौरान कथित तौर पर 21.56 ग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया था। इसके बाद, उसके आवास की तलाशी के दौरान कथित तौर पर 46.06 ग्राम एमडी बरामद किया गया, जिससे कुल बरामदगी व्यावसायिक मात्रा के दायरे में आ गई। आवेदक की ओर से अधिवक्ता श्री अली काशिफ खान देशमुख, अधिवक्ता सुश्री स्निग्धा खंडेलवाल और अधिवक्ता मोहम्मद फरीद ने तर्क दिया कि एनडीपीएस अधिनियम की धारा 50 के तहत अनिवार्य सुरक्षा उपाय का उल्लंघन हुआ है क्योंकि उपायुक्त सोनल जवांजल, जो एक राजपत्रित अधिकारी हैं, स्वयं छापेमारी दल का हिस्सा थीं। बचाव पक्ष ने यह भी बताया कि आवेदक पहले ही मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक वर्ष से अधिक समय तक कारावास भुगत चुका है। इस याचिका का विरोध करते हुए, पुणे सीमा शुल्क के विशेष लोक अभियोजक ने तर्क दिया कि धारा 50 का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है क्योंकि तलाशी के अधिकारों से संबंधित आवश्यक जानकारी आरोपी को दी गई थी। अभियोजन पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि व्यक्तिगत तलाशी एक सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा की गई थी, न कि स्वयं राजपत्रित अधिकारी द्वारा, और इसलिए शामिल व्यावसायिक मात्रा को देखते हुए आवेदक जमानत का हकदार नहीं है। न्यायमूर्ति शिवकुमार दिगे ने जमानत देते हुए अब्दुल कादिर घोगारी बनाम भारत संघ के पूर्व फैसले का हवाला देते हुए कहा कि जांच या छापेमारी दल का हिस्सा रहे वरिष्ठ अधिकारी को एनडीपीएस की धारा 50 के अनुपालन के लिए "स्वतंत्र अधिकारी" नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने विशेष रूप से कहा कि चूंकि राजपत्रित अधिकारी छापेमारी दल का हिस्सा थीं, इसलिए उन्हें स्वतंत्र नहीं माना जा सकता। इस पहलू के साथ–साथ आरोपी के लंबे समय तक कारावास को ध्यान में रखते हुए न्यायालय ने जमानत याचिका मंजूर कर ली। आवेदक को ₹30,000 के पीआर बॉन्ड और जमानतदारों के साथ जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया गया, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होना और साक्ष्यों से छेड़छाड़ न करना जैसी शर्तें शामिल हैं।

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायालयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

सही मटेरियल के साथ सही एसी का चयन इस गर्मी में आपकी बचत बढ़ा सकता है

गर्मी का मौसम फिर आ गया है और इसके साथ ही घरों को ठंडा रखने के लिए एयर कंडीशनर की मांग भी बढ़ रही है। एसी खरीदते या बदलते समय हममें से कई लोग कीमत या ब्रांड को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन स्टार लेबल, निर्माण वर्ष और आईइसईईआर (इंडियन सीजनल एनर्जी एफिशिएंसी रेशियो) वैल्यू की जांच करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ये कारक बिजली के बिल में बचत करने और कुल ऊर्जा खपत को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आपके एयर कंडीशनर पर लगा स्टार लेबल उसकी ऊर्जा दक्षता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, जिससे आप अधिक किफायती और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प चुन सकते हैं। इस वर्ष, 1 जनवरी 2026 से, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) ने एयर कंडीशनर्स सहित कई उपकरणों की स्टार रेटिंग के लिए संशोधित मानदंड लागू किए हैं। ये अद्यतन मानक भारत में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और बिजली की खपत कम करने के लिए बीईई द्वारा समय–समय पर किए जाने वाले सुधारों का हिस्सा हैं। संशोधित मानदंडों के तहत, एयर कंडीशनर्स (और अन्य उपकरणों) के लिए लेबल अवधि अब 1 जनवरी 2026 से 31 दिसंबर 2027 तक मान्य होगी। एयर कंडीशनर की ऊर्जा दक्षता को मापने वाला आईइसईईआर मूल्य भी महत्वपूर्ण रूप से अपडेट किया गया है। इसके अनुसार, 2026 में निर्मित 5–स्टार स्प्लिट एसी का आईइसईईआर मूल्य 5.6 होना चाहिए, जबकि 2026 में निर्मित 5–स्टार विंडो एसी का आईइसईईआर मूल्य 3.7 होना चाहिए। ये नए मानक 2026 में निर्मित एसी को 2025 या उससे पहले निर्मित एसी की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक ऊर्जा दक्ष बनाते हैं। अपडेट किए गए आईइसईईआर मानकों के कारण, 2025 में निर्मित 5–स्टार स्प्लिट एसी (जिसका आईइसईईआर मूल्य 5.0 है) को अब 2026 में 4–स्टार रेटिंग में डाउनग्रेड कर दिया जाएगा। इसी तरह, 2025 में निर्मित 5–स्टार विंडो एसी (जिसका आईइसईईआर मूल्य 3.5 है) को भी 4–स्टार रेटिंग में डाउनग्रेड किया जाएगा। इसका प्रभावी अर्थ यह है कि 2026 में निर्मित एसी खरीदकर आप ऐसे उत्पाद में निवेश कर रहे हैं, जो आज की 5–स्टार रेटिंग के बराबर है। हालांकि इन नए एसी की शुरुआती कीमत अधिक हो सकती है, लेकिन बिजली के बिल में होने वाली महत्वपूर्ण बचत और समय के साथ कम ऊर्जा खपत इन्हें एक लाभदायक निवेश बनाती है। यह इस बात को रेखांकित करता है कि उपभोक्ताओं को पुराने और संशोधित स्टार रेटिंग की सीधे तुलना करने से बचना चाहिए, क्योंकि बाजार में उपलब्ध उत्पाद अभी भी पुराने मानकों को दर्शा सकते हैं। इसके बजाय, उन्हें लागू अवधि (उदाहरणः 1 जनवरी 2026दृ31 दिसंबर 2027) के लिए बीईई लेबल की जांच करनी चाहिए, ताकि वे नवीनतम मानदंडों के अनुसार रेटिंग का आकलन कर सकें। हालांकि उपभोक्ताओं के पास विभिन्न स्टार रेटिंग वाले एसी चुनने के विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन अपेक्षाकृत अधिक शुरुआती लागत के बावजूद 5–स्टार एसी में निवेश करना कम बिजली खपत के माध्यम से लंबे समय में महत्वपूर्ण बचत प्रदान कर सकता है। ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) ने 2007 में स्टार रेटिंग की शुरुआत की थी, ताकि उपभोक्ताओं को ऊर्जा दक्ष उपकरणों के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद मिल सके। वर्षों के दौरान, इन ऊर्जा लेबलिंग कार्यक्रमों ने भारत को अरबों यूनिट बिजली बचाने और पीक पावर डिमांड को कम करने में मदद की है। स्टार लेबल यह पारदर्शिता प्रदान करते हैं कि कोई उत्पाद बिजली का कितनी कुशलता से उपयोग करता है, जिससे उपभोक्ता ऐसे उपकरण चुन सकते हैं जो किफायती होने के साथ–साथ पर्यावरण के अनुकूल भी हों। ऊर्जा दक्षता में सुधार मुख्य रूप से उपकरणों के डिजाइन और सामग्री में हुई प्रगति के कारण संभव हुआ है। निर्माता बेहतर कंप्रेसर, मोटर और हीट एक्सचेंजर्स को शामिल कर कूलिंग प्रदर्शन को बेहतर बना रहे हैं। इन सामग्रियों में, कॉपर दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एयर कंडीशनर्स में छोटे व्यास वाली इनर–ग्रूव्ड कॉपर ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स बेहतर हीट एक्सचेंज सुनिश्चित करते हैं, जिससे सिस्टम कम बिजली की खपत के साथ अधिक कुशलता से जगह को ठंडा कर पाते हैं। कॉपर अत्यधिक टिकाऊ भी होता है और भारत की उष्णकटिबंधीय जलवायु में एल्यूमिनियम की तुलना में बेहतर जंग–प्रतिरोध प्रदान करता है। कॉपर हीट एक्सचेंजर्स भारतीय जलवायु परिस्थितियों (जो उष्णकटिबंधीय हैं) में बेहतर कार्य करते हैं क्योंकि यह बेहतर जंग–प्रतिरोध प्रदान करता है और इसलिए, इन्हें एल्यूमिनियम अलॉय माइक्रोचौनल हीट एक्सचेंजर्स से बेहतर माना जाता है। इसके अलावा, कॉपर हीट एक्सचेंजर्स को उनकी लंबी आयु, साइट पर मरम्मत की सुविधा और कुछ ही घंटों में उपयोग के लिए तैयार होने के कारण बेहतर माना जाता है। वहीं, एल्यूमिनियम अलॉय माइक्रोचौनल हीट एक्सचेंजर्स की मरम्मत संभव नहीं होती और लीकेज की स्थिति में उन्हें बदलना पड़ता है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, यदि एसी में एल्यूमिनियम अलॉय माइक्रोचौनल हीट एक्सचेंजर्स का उपयोग किया जाता है, तो उन्हें साफ करने और समय के साथ जमा हुई धूलध्अशुद्धियों को हटाने में कठिनाई के कारण एसी की स्टार रेटिंग तेजी से खराब होती है। इसलिए, एल्यूमिनियम माइक्रोचौनल हीट एक्सचेंजर्स वाला 5–स्टार एसी 3–4 वर्षों में 3–स्टार एसी बन जाता है। दूसरी ओर, कॉपर हीट एक्सचेंजर्स वाले एसी को साफ करना आसान होता है और वे लंबे समय तक अपनी स्टार रेटिंग बनाए रखते हैं। एसी पर लगा स्टार लेबल केवल एक स्टिकर नहीं हैकृयह अधिक समझदारी और ऊर्जा दक्ष विकल्प चुनने का मार्गदर्शक है। स्टार रेटिंग, आईइसईईआर वैल्यू और उपकरण में उपयोग की गई कॉपर जैसी सामग्री पर ध्यान देकर आप कम बिजली बिल, कम रखरखाव लागत और लंबे उत्पाद जीवनकाल का लाभ उठा सकते हैं। ये अपडेट भारत के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य ऊर्जा दक्षता में सुधार करना और बढ़ती कूलिंग मांग का प्रबंधन करना है। घरों के लिए, ऊर्जा दक्ष उपकरण केवल बचत ही नहीं करते, बल्कि अधिक टिकाऊ भविष्य में भी योगदान देते हैं। इसलिए, अगली बार जब आप एयर कंडीशनर खरीदने जाएं, तो स्टार लेबल को अपनी प्राथमिकता बनाएं।

पुणे जिले में टैंकर से पानी सप्लाई के लिए ओटीपी आधारित सॉफ्टवेयर सिस्टम लागू करने के निर्देश

पुणे – डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने निर्देश दिया है कि पुणे जिले में टैंकरों से पानी की सप्लाई को ज्यादा ट्रांसपेरेंट, एफिशिएंट और कंट्रोलेबल बनाने के लिए सभी लोकल बॉडीज को ओटीपी–बेस्ड सॉफ्टवेयर सिस्टम अपनाना चाहिए। इस बारे में डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस की एम्प्लॉयमेंट गारंटी ब्रांच ने पुणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, पिंपरी–चिंचवड़ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (पीसीएमसी), पीएमआरडीए और पुणे जिला परिषद को एक लेटर भेजा है। 24 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे पुणे के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस में हुई एक मीटिंग में इस नए सिस्टम के बारे में डिटेल में प्रेजेंटेशन दिया गया। मीटिंग में अलग–अलग संबंधित एजेंसियों के रिप्रेजेंटेटिव मौजूद थे। कहा गया कि इस सिस्टम के पीछे मुख्य मकसद टैंकरों से पानी की सप्लाई के मैनेजमेंट में ट्रांसपेरेंसी लाना और नागरिकों को समय पर और सुरक्षित पानी की सप्लाई पक्का करना है। यह ओटीपी–बेस्ड सॉफ्टवेयर सिस्टम टैंकरों की जीपीएस ट्रैकिंग करेगा और रियल–टाइम मॉनिटरिंग करेगा कि टैंकर कहाँ से निकला, कहाँ पहुँचा और पहुँचने में कितना समय लगा। साथ ही, टैंकर ड्राइवरों की फिजिकल जांच, अल्कोहल टेस्ट वगैरह रिकॉर्ड किए जाएँगे, जिससे पूरा सिस्टम ज्यादा अकाउंटेबल और सिक्योर हो जाएगा। इसके अलावा, ओटीपी के जरिए यह भी चेक किया जा सकेगा कि टैंकर सच में तय जगह पर पहुँचा है या नहीं और पानी की सप्लाई पूरी हुई है या नहीं, जिससे गड़बड़ियों पर रोक लगने की संभावना है। एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, इस सिस्टम से पानी की कमी के दौरान टैंकर मैनेजमेंट ज्यादा अच्छे से हो पाएगा। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने पुणे डिस्ट्रिक्ट की सभी लोकल बॉडीज को पानी सप्लाई के लिए इस्तेमाल होने वाले टैंकरों में इस सिस्टम को तुरंत लागू करने के लिए जरूरी एक्शन लेने का निर्देश दिया है।

पुणे के अस्पताल के बाहर मिला टाइमर वाला बम

पुणे – पुणे के हडपसर इलाके में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक अस्पताल के पास जिंदा बम मिला. कामधेनु एस्टेट स्थित इस अस्पताल के बाहर संदिग्ध वस्तु दिखने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई. इस बम की सबसे खतरनाक बात यह थी कि इसमें 7 घंटे का टाइमर लगा हुआ था. सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) मौके पर पहुंच गया. डॉग स्क्वाड की मदद से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई ताकि किसी भी तरह की अनहोनी को टाला जा सके. पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत अस्पताल के आसपास के हिस्से को खाली कराया. शुरुआती जांच में पता चला है कि यह एक एक्टिव बम था जिसमें विस्फोटक सामग्री मौजूद थी. पुलिस को जैसे ही अस्पताल के पास बम होने की खबर मिली, वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए. बम निरोधक दस्ते ने सावधानी बरतते हुए उस संदिग्ध डिवाइस को अपने कब्जे में लिया. इसके बाद इसे अस्पताल से दूर एक सुरक्षित और सुनसान जगह पर ले जाया गया. जांच में सामने आया कि बम में लगा टाइमर एक्टिव था और वह फटने के लिए सेट किया गया था. पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आखिर यह बम वहां कैसे पहुंचा. क्राइम ब्रांच की टीम सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी का सुराग मिल सके. ठक्चै की टीम ने मौके पर पहुंचकर बहुत ही सूझबूझ से काम लिया. उन्होंने सबसे पहले बम को डिफ्यूज करने की प्रक्रिया शुरू की और उसे सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया. गनीमत यह रही कि समय रहते इस डिवाइस का पता चल गया, वरना कोई बड़ा हादसा हो सकता था. फिलहाल पुणे पुलिस और क्राइम ब्रांच मिलकर इस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रहे हैं. इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और लोगों से शांत रहने की अपील की गई है. अभी तक किसी भी संदिग्ध की गिरफ्तारी नहीं हुई है लेकिन जांच तेज कर दी गई है.

खेल-सिनेमा

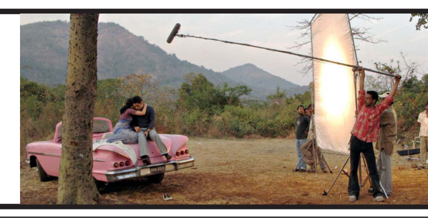

थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने जीत के साथ किया आगाज

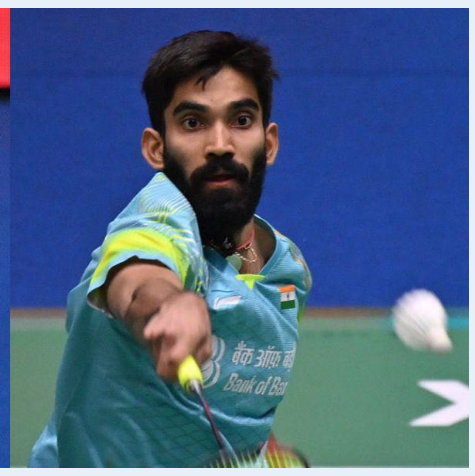

बैंकॉक में चल रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत का शानदार आगाज देखने को मिला है, जिसमें उन्होंने 13 मई को सीधे सेटों में जीत हासिल करने के साथ राउंड ऑफ–16 में अपनी जगह को पक्का कर लिया है। इसके अलावा टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल तक का सफर करने वाले भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी को जापान की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा जबकि तरूण मन्नेपल्ली को भी जापान के खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय स्टार महिला खिलाड़ी पीवी सिंधु को लेकर बात की जाए तो उनका सामना चीनी ताइपै की खिलाड़ी तुंग सियू तोंग से था, जिसमें 33 मिनट तक चले 2 सेट तक इस मुकाबले में पूरी तरह से दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का दबदबा देखने को मिला। इसमें पीवी सिंधु ने पहले सेट को जहां 21–9 के अंतर से अपने नाम किया तो वहीं दूसरे सेट को वह 21–12 के अंतर से जीतने में कामयाब रही। अब पीवी सिंधु का राउंड ऑफ–16 में डेनमार्क की अमेली शूल्ज से होग, जिसमें ये मुकाबला 14 मई को भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 पर होगा। दुनिया के पूर्व नंबर–1 खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत को लेकर को बात की जाए तो उनका सामना राउंड ऑफ–32 में सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू से था। ये मुकाबला किदांबी श्रीकांत 30 मिनट के अंदर ही खत्म करने के साथ अगले दौर के अपनी जगह पक्की करने में कामयाब रहे। इस मैच के पहले सेट को किदांबी श्रीकांत ने 21–14 के अंतर से अपने नाम किया जबकि दूसरे से को वह 21–15 के अंतर से अपने नाम करने में कामयाब रहे। अब राउंड ऑफ–16 में किदांबी श्रीकांत का सामना चीनी ताइपै के सू लि यांग 14 मई को होगा। थाईलैंड ओपन सुपर 500 में हिस्सा ले रही 21 साल की भारतीय महिला देविका सिहाग खिलाड़ी अपनी पहली सुपर–500 जीत दर्ज करने में कामयाब रही। देविका का सामना राउंड ऑफ 32 में जापान की नात्सुकी निदैरा से था, जिसमें उन्होंने एक घंटे 11 मिनट तक चले तीन सेटों तक इस मुकाबले को 2–1 के अंतर से अपने नाम किया। इस मैच का पहला सेट देविका ने 21–19 के अंतर से अपने नाम किया लेकिन दूसरे सेट में उन्हें 13–21 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। आखिरी सेट में देविका सिहाग ने शानदार वापसी करने के साथ उसे 21–15 के जीतने के साथ अगले राउंड के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया।

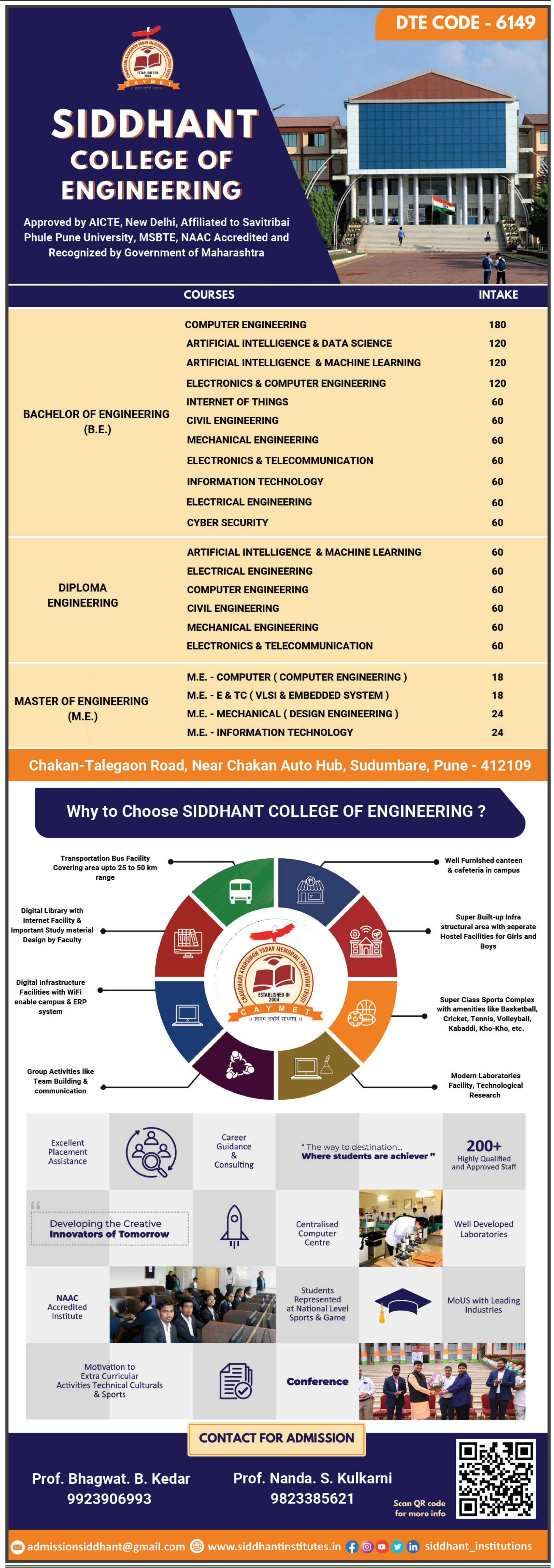

चार साल बाद धांसू कमबैक को तैयार राहुल देव

पत्नी रीना देव की कैंसर से मौत के बाद एक्टर राहुल देव ने अपने बेटे की परवरिश पर ध्यान देने के लिए फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली थी। बॉलीवुड में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो शुरुआत में अपनी कड़ी मेहनत से जबरदस्त नेम–फेम कमाते हैं और बाद में निजी कारणों की वजह चकाचौंध की दुनिया से दूर हो जाते हैं। ऐसे ही बॉलीवुड के मशहूर विलेन हैं राहुल देव, जो खबरों में बने हुए हैं। वह अपने एक नए इंटरव्यू की वजह से सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं, जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री से 4 साल दूर रहने की वजह बताई और यह भी खुलासा किया कि 80 फिल्मों में काम करने के बाद उनका हाल कैसा है? राहुल देव ने बताया कि जब वह साढ़े चार साल बाद काम पर लौटे तो उन्हें काम के मौके ढूंढने में काफी मुश्किल हुई, क्योंकि फिल्म इंडस्ट्री के लोग उन्हें भूल चुके थे। राहुल ने बताया कि अपनी पत्नी की मौत के बाद सिंगल पेरेंटिंग की चुनौतियों के लिए वह तैयार नहीं थे और उन्होंने अपनी जिंदगी के उस मुश्किल दौर से निकलने में मदद करने का श्रेय अपने आध्यात्मिक गुरु को दिया। उस समय को बेहद चुनौतीपूर्ण बताते हुए, राहुल ने याद किया कि कैसे उनके गुरु ने उन्हें अपने बेटे को आगे की पढ़ाई के लिए लंदन भेजने के लिए मनाया और उन्हें फिर से काम शुरू करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया, 'जब बिग बॉस से बुलावा आया तो मुझे नहीं लगा था कि मैं इसे करूंगा, लेकिन गुरुजी ने मुझसे कहा– जाओ, तुम्हें कहीं न कहीं से तो शुरुआत करनी ही होगी। इसी तरह धीरे–धीरे चीजें फिर से शुरू हुईं। जब मैं वापस आया तो मुझे काम नहीं मिल रहा था। मैंने 80–81 फिल्में की थीं, लेकिन साढ़े चार साल दूर रहने के बाद ऐसा लगा जैसे अब कोई मुझे जानता भी नहीं है। लोग मुझे भूल चुके थे।' हालांकि, राहुल ने कहा कि उन्हें इस अनुभव को लेकर कोई कड़वाहट नहीं है। उन्होंने आगे कहा, 'मैं किसी को दोष नहीं दे सकता क्योंकि समय बदलता रहता है। मुझे कभी भी लोगों पर दोष डालना पसंद नहीं आया। मुझे हमेशा लगता है कि सबसे जरूरी बात अनुभवों से सीखना है। मुझे इस बात की कोई कड़वाहट नहीं है कि मैंने इंडस्ट्री के लिए इतना कुछ किया और फिर भी मेरे साथ ऐसा हुआ। इंडस्ट्री ने भी मुझे बहुत कुछ दिया है। हालात की वजह से इंडस्ट्री छोड़ना मेरा अपना फैसला था और मुझे इसका कोई अफसोस नहीं है।' राहुल ने 1998 में रीना देव से शादी की और इस कपल के घर एक बेटे सिद्धार्थ का जन्म हुआ। हालांकि, शादी के 11 साल बाद 2009 में रीना की कैंसर से मौत हो जाने के बाद राहुल की जिंदगी पूरी तरह बदल गई। इस घटना के बाद उन्होंने अपने बेटे की परवरिश पर ध्यान देने के लिए लगभग चार साल तक एक्टिंग से दूरी बना ली। राहुल अभी मॉडल–एक्टर मुग्धा गोडसे के साथ रिलेशनशिप में हैं। खबरों के मुताबिक, दोनों ने 2013 में डेटिंग शुरू की थी और तब से वे एक लंबे समय से लिव–इन रिलेशनशिप में हैं। पिछले साल राहुल को एक और निजी नुकसान झेलना पड़ा, जब उनके भाई मुकुल देव का दिल्ली में 54 साल की उम्र में निधन हो गया। राहुल अगली बार पंजाबी फिल्म 'मोर सब दा बनूगा' में नजर आएंगे। आशीष कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रिंस कंवलजीत सिंह भी एक अहम भूमिका में हैं। छभ प्रोडक्शंस द्वारा समर्थित यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उनके पास 'वेलकम टू द जंगल' भी पाइपलाइन में है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, परेश रावल और अरशद वारसी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सूर्या और तृषा की 'करुप्पु' के मॉर्निंग शो हुए रद्द

तमिल सिनेमा के दिग्गज अभिनेता सूर्या और तृषा कृष्णन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'करुप्पु' की रिलीज के दिन ही सिनेमाघरों में सन्नाटा पसर गया। 14 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म के सुबह 9 बजे के शो (FDFS) अचानक रद्द कर दिए गए, जिससे हजारों फैंस का दिल टूट गया। फिल्म के प्रदर्शन में आई इस बाधा की वजह कुछ वित्तीय समस्याओं को बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, थिएटर मालिकों ने रिलीज से ठीक एक दिन पहले फिल्म से जुड़ी कुछ पेमेंट और आर्थिक मुद्दों को उठाया था। यह स्थिति तब और भी अजीब हो गई जब महज एक दिन पहले ही निर्माताओं ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय का आभार व्यक्त किया था, जिन्होंने फिल्म के लिए सुबह के विशेष शो दिखाने की अनुमति दी थी। निर्माता एस.आर. प्रभु ने 14 मई की सुबह–सुबह ग पर यह जानकारी साझा की और फिल्म के 'पहले दिन–पहला शो' का इंतजार कर रहे दर्शकों से माफी मांगी। रात करीब 1 बजे पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, ''कुछ अपरिहार्य कारणों से 'करुप्पु' के सुबह 9 बजे के शो रद्द किए जा रहे हैं। हम सभी से तहे दिल से माफी मांगते हैं! शो रद्द होने की आधिकारिक घोषणा से पहले ही, निर्देशक–अभिनेता आर.जे. बालाजी ने संकेत दे दिया था कि टीम को पर्दे के पीछे कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। X पर फैन्स को संबोधित करते हुए उन्होंने लिखा, ''प्यारे फैन्स, मौजूदा हालात को लेकर मेरे पास कोई ठोस जवाब नहीं है। निर्माता इन रुकावटों को दूर करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस फिल्म को हमेशा से ही कई रुकावटों का सामना करना पड़ा है, लेकिन किसी तरह भगवान ने हमें उन सभी मुश्किलों से पार लगाया और 32 महीनों के बाद आज हम यहाँ हैं। इस बार भी, मुझे उन पर पूरा भरोसा है, अटूट भरोसा।'' शो रद्द होने की खबर मिलते ही फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। कई लोग इस बात से ज्यादा गुस्से में थे कि उन्होंने फिल्म देखने के लिए अपने दफ्तर या काम से छुट्टी ली थी। निराश फैंस: ''यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। अगर प्लानिंग सही नहीं थी, तो रिलीज का ऐलान क्यों किया?'' छुट्टी का नुकसान: एक यूजर ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''मैंने स्पेशल शो के लिए ऑफिस से छुट्टी ली थी, अब कौन इसकी भरपाई करेगा? यह पूरी तरह से गैर–जिम्मेदाराना है।'' अनिश्चितता: फैंस का कहना है कि उन्हें माफी नहीं, बल्कि फिल्म की रिलीज का पक्का समय चाहिए ताकि वे अपना जश्न जारी रख सकें। आर.जे. बालाजी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सूर्या और तृषा कृष्णन की शानदार जोड़ी मुख्य भूमिका में है। इनके अलावा फिल्म में कई दिग्गज कलाकार शामिल हैं: फिल्म के सहायक कलाकारों में इंद्रांस, नट्टी सुब्रमण्यम, स्वासिका, शशिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी, योगी बाबू, मंसूर अली खान, जॉर्ज मैरीन, आडुकलम नरेन, नमो नारायण, दीपा शंकर, लोलू सभा मारन और जाफर सादिक शामिल हैं। अभी तक, इस पर कोई अपडेट नहीं है कि करुप्पु के बाद के शो वादे के मुताबिक खड़े हैं या नहीं।